B- IV
L- 31
Economy

हेजिंग (Hedging)।

वह प्रक्रिया जिसके माध्यम से लोगों द्वारा Market risk /बाजार जोखिम (कीमतो का उतार-चढाव) को समाप्त करने की कोशिश करते हैं।

उपर्युक्त सन्दर्भ में उनके द्वारा किसी इक्विटी, वस्तु, विदेशी मुद्रा आदि के निश्चित कीमतों पर आग्रिम रूप से सौदे किए जाते हैं जिनका हम Settlement (निपटान) भविष्य में एक निश्चित तिथि या उससे पहले किया जाता है।

₹ 84 = 1 $ - Spot Market

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES

T+1 Settlement :-

भारत के इक्विटी के Secondary Market (द्वितीयक बाजार) की वर्तमान Settlement प्रणाली जिसे 2023 में पूर्णरूप से लागू किया गया है। इसे T+2 Settlement के स्थान पर लाया गया है।

इसके अन्तर्गत इक्विटी के लेन-देन के दिन (T) से ठीक अगले दिन (T+1) उसका Settlement कर दिया जाता है।

नोट :-

वर्तमान मे SEBI T+0 Settlement प्रणाली को लागू करने पर विचार कर रहा है।

Scanned by CamScanner

यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो इक्विटी के लेन-देन के दिन ही उसका Settlement हो जायेगा।

Mutual Funds / म्यूचुअल फंड्स :—

ऐसे वित्तीय संस्थान जो छोटी राशि (जैसे कि ₹ 10 आदि) की यूनिट जारी करते हैं और छोटे निवेशकों से एकत्र की जाने वाली राशि का निवेश वित्त बाजार में करते हैं।

म्यूचुअलफंड्स न केवल विशेषज्ञ ज्ञान का निवेशकों को लाभ देते हैं बल्कि diversified portfolio का निर्माण करते हैं। इससे market risk कम हो जाता है। (हालांकि यह समाप्त नहीं होता है।)

NFO – New fund offer

FFO – further fund offer

म्यूचुअल फंड्स की कार्यप्रणाली को एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है–

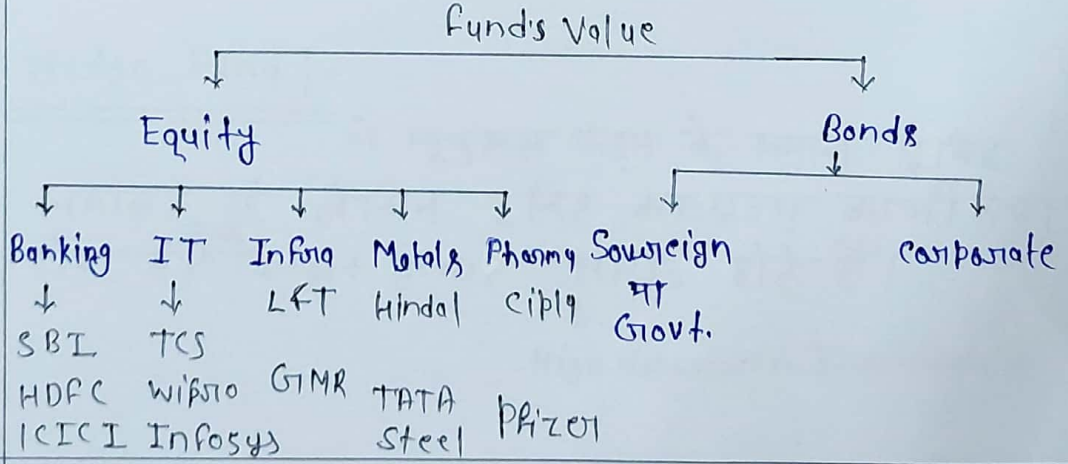

Scanned by CamScanner

ETF - Exchange Traded Fund :-

ये म्यूचुअल फंड्स के समान होती राशी की यूनिट निकालते हैं और एकत्रित किए गए धन का निवेश पूर्व निर्धारित इक्विटी / इक्विटी के समूह, वस्तु (जैसे कि Gold) आदि में करते हैं।

एक बार निवेश कर देने पर ये संबंधित इक्विटी आदि को नही बदलते हैं। इस प्रकार, ETF Passive (निष्क्रिय) Funds होते हैं। जबकि म्यूचुअल फंड्स सक्रिय (Active) होते हैं।

ETF द्वारा विनिवेश :-

Minority Sale के अन्तर्गत किए जाने वाले विनिवेश के अन्तर्गत ETF का प्रयोग भी किया जाता है। इस सन्दर्भ में निम्न दो ETF लाए गए हैं-

(i) CPSE - Central Public Sector Enterprises

(ii) Bharat - 22

Hedge Fund :-

ये म्यूचुअल फंड्स के समान यूनिट निकालते हैं लेकिन यूनिट का मूल्य काफी ऊंचा होता है। इसके Target group HNIs होते हैं।

↓

High Networth Individuals

Scanned by CamScanner

ये फंड्स म्यूचुअल फंड्स की तुलना में अधिक जोखिम उठाते हैं।

REITs - Real Estate Investment Trusts -

(i) ये यूनिट निकालते हैं।

(ii) इनका निवेश क्षेत्र - Real Estate Sector

(iii) निवेश पैटर्न - कम से कम 90% निवेश राजस्व देने वाली तैयार परियोजनाओं में।
+
अधिक से अधिक 20% निवेश निर्माणाधीन परियोजनाओं में।

InvITs - Infrastructure Investment Trust

REITs की तरह लेकिन निवेश क्षेत्र Infra होता है।

Scanned by CamScanner